

NCERT SOLUTIONS

CLASS - 9th



aglasem.com

Class : 9th

Subject : अर्थशास्त्र

Chapter : 4

Chapter Name : भारत में खाद्य सुरक्षा

Q1 भारत में खाद्य सुरक्षा कैसे सुनिश्चित की जाती है?

Answer. 1943 के बंगाल में अकाल के बाद से भारत ने खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए अनेक कदम उठाए-

सबसे पहले भारत में खाद्यान्नों के उत्पादन में आत्मनिर्भर बनने के लिए आयात को कम किया और हरित क्रांति का सहारा लिया। इससे गेहूं व चावल के उत्पादन में अनाशांति वृद्धि हुई।

अधिशेष खाद्यान्नों को भारतीय खाद्य निगम जमा करके रखता है, ताकि जरूरत के समय उसका इस्तेमाल हो सके।

जरूरतमंदों तक उचित कीमतों पर खाद्यान्न पहुंचाने के लिए पीडीएस व्यवस्था में अनेक प्रकार बदलाव लाए गए व उसे अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचाया गया है।

अनेक सहकारी समितियों यथा मदर डेयरी, अमूल के माध्यम से भी खाद्य सुरक्षा को बल मिल रहा है इस प्रकार खाद्य सुरक्षा को भारत में सुनिश्चित किया जाता है।

Page : 52 , Block Name : अभ्यास (long answer question)

Q2 कौन लोग खाद्य सुरक्षा से अधिकृत हो सकते हैं?

Answer. भारत में तो हालांकि काफी लोग खाद्य असुरक्षित हैं, परंतु कुछ लोग ऐसे हैं जो विशेष रूप से अधिक प्रभावित होते हैं-

भूमिहीन लोग- इन लोगों के पास कम जमीन होने के कारण आय का निश्चित स्रोत नहीं होता।

पारंपरिक दस्तकार- जो पारंपरिक गतिविधियों पर ही निर्भर रहकर आजीविका कमाते हैं।

छोटे-मोटे काम करने वाले कामगार लोग।

अनाथ- जिनकी देखरेख के लिए कोई नहीं होता।

भिखारी- जो दूसरों की दान पर निर्भर रहते हैं।

वे लोग भी जो अनियमित मौसमी कामों में लगे रहते हैं।

Page : 52 , Block Name : अभ्यास (long answer question)

Q3 भारत में कौनसे राज्य खाद्य असुरक्षा से अधिक ग्रस्त हैं?

Answer. बंगाल के अकाल के बाद हालांकि फिर कभी भारत को वैसी स्थिति नहीं देखनी पड़ी, परंतु फिर भी भारत में अनेक ऐसे राज्य, विशेषकर जिले हैं, जो खाद्य असुरक्षित हैं।

उड़ीसा के कालाहांडी व काशीपुर, राजस्थान के बारों, झारखंड के पालामू से हमेशा ऐसी खबरें आती रहती हैं जिनमें लोग भूख के कारण मरते हैं। पूर्वी उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड, उड़ीसा, पश्चिम बंगाल, छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश और महाराष्ट्र में भी अधिक खाद्य असुरक्षा है।

Page : 52 , Block Name : अभ्यास (long answer question)

Q4 क्या आप मानते हैं कि हरित क्रांति ने भारत को खाद्यान्न में आत्मनिर्भर बना दिया है? कैसे?

Answer. स्वतंत्रता के बाद खाद्यान्न उत्पादन में आत्मनिर्भर बनने हेतु हरित क्रांति भारत का एक बड़ा कदम था। श्री एम. एस. स्वामीनाथन को भारत में हरित क्रांति का जनक कहा जाता है। क्रांति से पूर्व भारत अमेरिका व अन्य देशों से आयातित खाद्यान्न पर निर्भर होता था। विशेषकर गेहूं और चावल पर। क्रांति के बाद गेहूं और चावल का उत्पादन बेहद अधिक हो गया, और भारत ने इनका आयात करना बंद कर दिया। हरित क्रांति के बाद हालांकि भारत में आपदाओं के समय अकाल जैसी परिस्थितियां खड़ी हुईं पर खाद्यान्न में आत्मनिर्भरता के चलते भारत उन परिस्थितियों का मुकाबला कर सका।

कुछ आलोचकों का मानना है कि हालांकि भारत को खाद्यान्न में हरित क्रांति ने आत्मनिर्भर बनाया पर यह आत्मनिर्भरता विशेषकर कुछ राज्यों के हित में ही रही। यथा गेहूं उत्पादन में पंजाब व उत्तर प्रदेश को ही ज्यादा फायदा मिला और चावल की खेती में उत्तर प्रदेश और पश्चिम बंगाल को। उनका यह कहना है कि हरित क्रांति का लाभ सभी राज्यों को एक समान मिलना चाहिए।

Page : 52 , Block Name : अभ्यास (long answer question)

Q5 भारत में लोगों का एक वर्ग अब भी खाद्य से वंचित है। व्याख्या कीजिए।

Answer. भारत में कई क्षेत्रों में एक वर्ग ऐसा भी है जो खाद्य से वंचित रहता है। इनमें आदिवासी समुदाय, महिलाएं और बच्चे शामिल हैं।

अनुसूचित जाति, जनजाति और अन्य पिछड़ी जातियों के पास जमीन कम होती है या जो होती है उसकी उत्पादकता कम होती है।

महिलाएं कुपोषण का शिकार हो जाती हैं जिससे अप्रत्यक्ष रूप से बच्चे भी कुपोषित हो जाते हैं।

इसके अलावा अनाथ, भिखारी, पारंपरिक दस्तकार और वे लोग जिनके पास पूरे साल नियमित काम नहीं होता है वे खाद्य से वंचित रह जाते हैं।

Page : 52 , Block Name : अभ्यास (long answer question)

Q6 जब कोई आपदा आती है तो खाद्य पूर्ति पर क्या प्रभाव होता है?

Answer. प्राकृतिक आपदाएँ यथा बाढ़ सूखा खाद्य पूर्ति को अत्यंत प्रभावित करती हैं-

सूखे के कारण उत्पादन में कमी आती है।

प्रभावित क्षेत्रों में अधिक खाद्यान्न की मांग बढ़ती है।

कम उत्पादन और ज्यादा मांग के कारण कीमतें बढ़ जाती हैं। इस कारण काफी लोग अब खाद्य वस्तुओं को नहीं खरीद पाते।

इससे भुखमरी बढ़ती है और पुनः अकाल की समस्या भी पैदा हो सकती है।

Page : 52 , Block Name : अभ्यास (long answer question)

Q7 मौसमी भुखमरी और दीर्घकालिक भुखमरी में भेद कीजिए?

Answer. भुखमरी के दो आयाम होते हैं- मौसमी और दीर्घकालिक। इनमें अंतर इस प्रकार है-

दीर्घकालिक भुखमरी मौसमी भुखमरी

यह मात्रा और गुणवत्ता के आधार पर अपर्याप्त भोजन के कारण होती है।
यह पूरी फसल प्रक्रिया में फेरबदल के कारण होती है।

गरीब लोग अपनी कमाई के कारण खाद्य पदार्थ नहीं खरीद पाते, और इस भुखमरी का शिकार हो जाते हैं।

यह मौसमी प्रकृति के कारण व नगरों में अनियमित श्रम के कारण होती है।

Page : 52 , Block Name : अभ्यास (long answer question)

Q8 गरीबों को खाद्य सुरक्षा देने के लिए सरकार ने क्या किया? सरकार की ओर से शुरू की गई किन्हीं दो योजनाओं की चर्चा कीजिए।

Answer. सरकार ने अनेक योजनाओं व कार्यक्रमों के माध्यम से गरीबों को खाद्य सुरक्षित करने का सफल प्रयास किया है। सरकार की इन कोशिशों को हम निम्नलिखित दो महत्वपूर्ण योजनाओं से समझ सकते हैं-

लक्षित सार्वजनिक वितरण प्रणाली-

सरकार ने वैसे तो 1992 में सार्वजनिक वितरण प्रणाली शुरू की थी। परंतु, उसे और पारदर्शी व लाभकारी बनाने की दिशा में 1997 में लक्षित सार्वजनिक वितरण प्रणाली आरंभ की।

इसका लक्ष्य सभी क्षेत्रों के गरीबों को लाभ पहुंचाना था।

यह पहली बार था, जब सरकार ने अत्यधिक गरीबों और कम गरीबों तथा अमीरों के लिए अलग-अलग कीमतें तय की थी।

अंत्योदय अन्न योजना-

वर्ष 2000 में प्रारंभ हुई इस योजना से सरकार ने गरीबों में जो अत्यंत गरीब थे, उनके लिए और भी कम कीमत पर खाद्यान्न मुहैया करवाया।

वर्तमान में करोड़ों लोग इसका लाभ ले रहे हैं और कम कीमत पर अनाज प्राप्त कर रहे हैं।

Page : 52 , Block Name : अभ्यास (long answer question)

Q9 सरकार बफर स्टॉक क्यों बनाती है?

Answer. बफर शब्द का मतलब प्रतिरोधक होता है। बफर स्टॉक का काम किसी अप्रत्याशित परिस्थिति का प्रतिरोध करना होता है। भारत में भारतीय खाद्य निगम बफर स्टॉक की देखरेख करता है। जहां भी आवश्यकता से ज्यादा गेहूं, चावल पैदा होता है उसे पहले से निर्धारित कीमतों पर खरीद कर भंडारित कर लिया जाता है। सरकार ऐसा इसलिए करती है ताकि-

जहां अनाज की कमी हो, वहां पूर्ति हो सके।

गरीब लोगों को कम कीमत पर अनाज मिल सके।

आपदा के समय अनाज की समस्या से निजात मिल सके।

Page : 52 , Block Name : अभ्यास (long answer question)

Q10 टिप्पणी लिखें-

न्यूनतम समर्थित कीमत

बफर स्टॉक

निर्गम कीमत

उचित दर की दुकान

Answer.

न्यूनतम समर्थित कीमत - जब सरकार किसानों की अधिशेष फसल को बुवाई से पहले घोषित हुए मूल्य पर खरीदती है, उस मूल्य को न्यूनतम समर्थित कीमत कहते हैं।

बफर स्टॉक- अधिशेष उत्पादन से एकत्र हुआ स्टॉक, जिसे सरकार विशेष परिस्थितियों हेतु संरक्षित करती है, उसे बफर स्टॉक कहते हैं।

निर्गम कीमत- जब सरकार बाजार से कम कीमत पर अनाज जरूरतमंदों को बेजती है, उस कीमत को निर्गम कीमत कहते हैं।

उचित दर की दुकान- वह दुकान जो सरकार द्वारा भारतीय खाद्य निगम के अनाज को बेचने के लिए अधिकृत होती है। इन्हें आम भाषा में राशन की दुकान भी कहते हैं।

Page : 52 , Block Name : अभ्यास (long answer question)

Q11 राशन की दुकानों के संचालन में क्या समस्याएं हैं?

Answer. सरकार ने जरूरतमंदों को बाजार से कम कीमत पर अनाज बेचने के लिए उचित मूल्य की दुकानें खोली हैं, परंतु वर्तमान समय में उनके संचालन में अनेक समस्याएं भी हैं जो इस प्रकार हैं- कालाबाजारी - दुकान के संचालक सरकारी खाद्यान्न को अधिक कीमत में बाजार में बेच देते हैं। इससे वह उनके हकदारों को नहीं मिल पाता।

घटिया अनाज- कई बार मिलावटी और कम गुणवत्ता वाला अनाज बिकने की भी शिकायतें आती हैं।

अनियमित रूप से दुकानों का खोलना- इससे लोगों को समय पर खाद्य पदार्थ की आपूर्ति नहीं मिलती।

आधार से मिलान ना होना- वर्तमान समय में एक नई समस्या आ गई कि लोगों की उंगली के निशान ना मिलने के कारण उन्हें राशन से वंचित रखा गया।

Page : 52 , Block Name : अभ्यास (long answer question)

Q12 खाद्य और संबंधित वस्तुओं को उपलब्ध कराने में सहकारी समितियों की भूमिका पर एक टिप्पणी लिखें।

Answer. दक्षिण व पश्चिम भारत के कुछ इलाकों में सरकारी समितियाँ गरीब लोगों को खाद्यान्न की बिक्री के लिए कम कीमत वाली दुकानें खुलती हैं। इनके प्रमुख उदाहरण- तमिलनाडु में सहकारी दुकानें, दिल्ली में मदर डेयरी और गुजरात में अमूल हैं।

इन समितियों द्वारा संचालित दुकानों में उच्च गुणवत्ता का सामान कम कीमतों पर मिलता है। अमूल ने तो दुग्ध उत्पादों के सहारे भारत में श्वेत क्रांति लाने में अभूतपूर्व योगदान दिया है।

ये समितियां रोजगार सर्जन का काम भी करती हैं। इससे लोगों की खरीदारी करने की क्षमता में भी वृद्धि होती है और वह भी खाद्य सुरक्षित बनते हैं। इस प्रकार सहकारी समितियां खाद्य सुरक्षा में सरकार के साथ कदम से कदम मिलाकर विशेष भूमिका निभाती हैं।

Page : 52 , Block Name : अभ्यास (long answer question)

aglasem.com